बर्षः– 06
अंकः– 118
मुरादाबाद
(Wednesday)
19 August 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुरादाबाद में तेंदुए ने फिर एक महिला की जान ली, ग्रामीणों में गुस्सा, वन विभाग की टीम को गांव से खदेड़ा

मुरादाबाद के ग्राम बलिया में खेत से चारा लेने गईं विरमो देवी पर तेंदुए ने हमला कर उनकी गर्दन दबोच ली। इससे उनकी मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम को गांव में प्रवेश नहीं करने दिया।मुरादाबाद के ग्राम बलिया में पशुओं के लिए चारा लेने खेत गईं विरमो देवी पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए ने महिला की गर्दन दबोच ली, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने वन विभाग की टीम को गांव में घुसने नहीं दिया।

ग्रामीण तेंदुए को जल्द पकड़ने और गांव में सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। विरमो देवी की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा और बढ़ गया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने टीम को गांव में प्रवेश नहीं करने दिया। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार तेंदुओं की मौजूदगी से लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। उन्होंने तेंदुए को जल्द पकड़ने, पिंजरे लगाने और गांव में वन विभाग की टीम की लगातार निगरानी की मांग की है।

उधर, खेत में फूल तोड़ने के लिए गई महिला सभासद और उनके पति के खेत में चार तेंदुए देखकर होश उड़ गए। इन्होंने टॉर्च और स्कूटी की हेडलाइट की रोशनी में दो छोटे और दो बड़े तेंदुओं को देखकर शोर मचाया तो आसपास के लोग भी आ गए। सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौका मुआयना कर लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा है।

नगर के घोसीपुरा निवासी शिशुपाल सैनी पूर्व में नगर पंचायत के वार्ड आठ से सभासद रह चुके हैं,

वर्तमान में उनकी पत्नी प्रियंका सैनी वार्ड की महिला सभासद हैं। शिशुपाल सिंह ने नगर निवासी विनोद भार्गव का कस्बे से सटे मौहड़ी हजरतपुर स्थित खेत ठेके पर लेकर उसमें गुलाब और गेंदा के फूलों की खेती की हुई है।

शिशुपाल सैनी ने बताया कि वह उनकी पत्नी और भांजी छाया व ममता प्रतिदिन तड़के खेत पर फूल तोड़ने के लिए आते हैं। यहां से फूलों को विक्रय करने के लिए मंडी भेजा जाता है। सोमवार की तड़के भी करीब साढ़े तीन वह पत्नी और भांजी सहित खेत पर आए थे। जहां उन्होंने स्कूटी की हैडलाइट की रोशनी में दो छोटे और दो बड़े तेंदुओं को खेत में देखा। शोर मचाने पर चारों तेंदुए बराबर में स्थित गन्ने के खेत में चले गए। इसके बाद वह सुबह करीब पांच बजे दोबारा खेत में पहुंचे तो यहां तेंदुओं के पंजों के निशान मिले। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई, जिस पर सोमवार की दोपहर वन विभाग की टीम ने मौका मुआयना किया और आसपास रह रहे लोगों को जागरूक करते हुए सतर्क रहने के लिए कहा है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री ने अभिजीत दीपके को NDA में आने का दिया न्योता, कहा- अंबेडकर का सपना करें पूरा

केंद्रीय मंत्री ने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को एनडीए में शामिल होने का न्योता दिया है। उन्होंने कहा कि दीपके अंबेडकरवादी और युवा हैं। हालांकि, दीपके ने अभी प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में शामिल होने का प्रस्ताव मिला है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को कहा कि सीजेपी संयोजक को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए उनकी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया () में शामिल होने पर विचार करना चाहिए। क्या दीपके ने इस पर कोई प्रतिक्रिया दी? दीपके ने अभी तक मंत्री के प्रस्ताव का कोई जवाब नहीं दिया है। आने से इनकार कर दिया था। उनका कहना है कि लोगों का राजनीति और चुनाव प्रणाली से भरोसा उठ गया है।रामदास अठावले ने क्या कहा? सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए अठावले ने कहा कि सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का सपना पूरा करने और साथ ही समाज व पार्टी को मजबूत बनाने के लिए उनकी पार्टी RPI (A) में शामिल होने पर विचार करना चाहिए।दीपके को लेकर क्या कहा? - बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (A) केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा है।

अभिजीत दीपके हमारा अपना ही लड़का, बौद्ध है: रिजिजू ने CJP प्रमुख पर पहले दिखाया नरम रुख, फिर उठाए सवाल

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता बताया और उनके छात्र होने पर सवाल उठाए।

उन्होंने छात्रों की मांगों को जायज माना। लेकिन आरोप लगाया कि राजनीतिक दलों ने आंदोलन को अपने फायदे के लिए हाईजैक किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि दीपके आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ता हैं।

रिजिजू ने उनकी छात्र के रूप में पहचान पर भी सवाल किया। हालांकि, उन्होंने दीपके के लिए नरम रुख दिखाते हुए उन्हें अपना ही लड़का बताया। हाल ही में सीजेपी के बैनर तले जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन हुआ था। इसके चलते पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। अभिजीत दीपके और सीजेपी के आंदोलन पर क्या कहा? रिजिजू ने समाचार एजेंसी एएनआई को इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने अभिजीत दीपके और उनके आंदोलन को लेकर सवाल उठाए। रिजिजू से जब छात्रों की शिक्षा क्षेत्र में सुधार से जुड़ी मांगों और जेन-जी आंदोलन पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने माना कि छात्रों की चिंताएं जायज हैं। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक दलों ने इस आंदोलन को पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया है।

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता हैं दीपके- रिजिजू- युवाओं के बीच पहचान बना चुके अभिजीत दीपके का नाम लेते हुए रिजिजू ने कहा, लेकिन अभिजीत दीपके है वह हमारा अपना ही लड़का है, महाराष्ट्र से बौद्ध है। इसके बाद उन्होंने दीपके के छात्र होने पर सवाल उठाते हुए कहा, लेकिन वो तो आम आदमी का कार्यकर्ता है, वो तो आप भी जानते हैं, सब जानते हैं। वो छात्र कैसे हो गया?छात्रों की आड़ में राजनीतिक रोटियां सेकते हैं दल- रिजिजू ने विपक्षी दलों और खास तौर पर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब वे राजनीतिक दल हार जाते हैं, तो वे छात्रों की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने की कोशिश करते हैं। ऐसा करना लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। आंदोलन के दौरान कानून-व्यवस्था पर क्या कहा? उन्होंने यह भी कहा कि इतने बड़े प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाकर रखी और किसी व्यक्ति को खरोंच तक नहीं आई। रिजिजू ने दावा किया कि इसके बावजूद विपक्ष सरकार पर छात्रों के दमन की झूठी कहानी बनाने की कोशिश कर रहा है।

मैंने वही वंदे मातरम गाया जो गांधी-नेहरू गाते थे, विवाद पर बोले मल्लिकार्जुन खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वंदे मातरम को लेकर उठे विवाद पर कहा कि उन्होंने वही गीत गाया है, जिसे महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू भी गाते थे। उन्होंने कांग्रेस की 90 साल पुरानी परंपरा का हवाला देते हुए कहा कि किसी सरकार के कहने भर से राष्ट्रीय मानक नहीं बदल जाता।कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को %वंदे मातरम% को लेकर उठे विवाद पर अपनी बात रखी। खरगे ने कहा कि उन्होंने वही %वंदे मातरम% गाया है, जिसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी गाते थे।मल्लिकार्जुन खरगे ने क्या कहा?-मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मैंने वही %वंदे मातरम% गाया, जो महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने गाया था। अगर इसे गाना अपराध है, तो वे (आरोप लगाने वाले) पिछले 18 साल से यह अपराध करते आ रहे हैं। अगर यह अपराध है, तो गांधी जी के खिलाफ मामला दर्ज करें। अगर यह अपराध है, तो नेहरू जी के खिलाफ मामला दर्ज करें। अगर यह अपराध है, तो वल्लभभाई पटेल के खिलाफ मामला दर्ज करें।उन्होंने आगे कहा, उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि उनके जन्म लेने से भी पहले कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित करके यह तय किया था कि देश के लिए कौन सा राष्ट्रीय गीत अपनाया जाए। ऐसा नहीं है कि आप जो भी कहेंगे, वही देश का मानक बन जाएगा। कल कोई दूसरी सरकार सत्ता में आ सकती है। अगर वह कुछ कहेगी, तो क्या वह नियम बन जाएगा? हमने सिर्फ उस परंपरा को जारी रखा है, जो 90 साल से चली आ रही है। स्वतंत्रता दिवस पर हुए %वंदे मातरम% को लेकर विवाद के बाद सोमवार को गोवा में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में %वंदे मातरम% के केवल दो छंद गाए गए थे। इसके साथ ही दक्षिण गोवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसा और आजादी की लड़ाई में भाजपा-आरएसएस के योगदान पर सवाल उठाए। उन्होंने गोवा की सत्तारूढ़ पार्टी पर सरकार बनाने के लिए विधायकों को अगवा करने का आरोप भी लगाया।

पूरे देश में बदलेगा सिस्टम': छात्रों की हड़ताल खत्म होने पर राहुल ने जताई खुशी, कहा- सबने संयम से काम लिया

झारखंड में छात्रों और सरकार के बीच सहमति के बाद राहुल गांधी ने छात्रों की भूख हड़ताल खत्म होने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि छात्रों के सवालों का जवाब मिलना चाहिए। राहुल ने निष्पक्ष प्रतियोगिता और भर्ती व्यवस्था में बदलाव का वादा किया। इसके साथ ही कांग्रेस ने जाति जनगणना को लेकर केंद्र पर गंभीर आरोप लगाए। झारखंड के छात्रों और राज्य सरकार के बीच सोमवार रात सहमति बन गई। अब इस मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। यह खबर सुनकर अच्छा लगा। कांग्रेस नेता ने क्या कहा? - लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर खा,'मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम बरता और अपनी बात रखी। यही सही तरीका है, जब छात्र सवाल उठाएं, तो उन्हें जवाब मिलना चाहिए। हम देश के हर छात्र के साथ खड़े हैं। हम इस रिकवरी सिस्टम को पूरी तरह बदल देंगे। ताकि हर छात्र को अपनी मेहनत का पूरा फल मिले और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अधिकार मिले।

यह सिस्टम पूरे देश में बदलेगा। अब एक ऐसा ढांचा तैयार किया जाएगा जो छात्रों को आगे बढ़ाए। न कि उन्हें पीछे रोके।इसके साथ ही कांग्रेस ने मंगलवार को मोदी सरकार पर जाति जनगणना को बाधित करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही पूछा कि 2027 की जनगणना में जाति चयन के लिए ड्रॉप-डाउन मेनू क्यों शामिल नहीं किया गया है। वहीं, केंद्र ने सितंबर 2021 में सर्वोच्च न्यायालय में अपने हलफनामे में इसकी सिफारिश की थी। विपक्षी दल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने 30 अप्रैल, 2025 को जाति जनगणना की घोषणा करके पूरी तरह से यू-टर्न लिया था। इसके साथ ही अब वे अपने पहले के यू-टर्न पर भी यू-टर्न ले रहे हैं। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 21 सितंबर, 2021 को मोदी सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा दायर कर जाति जनगणना की याचिका को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया था। जयराम रमेश ने एक्स पर क्या कहा? - रमेश ने एक्स पोस्ट में लिखा, %हालांकि, हलफनामे के पैरा 12 (डी) में निम्नलिखित कहा गया है 2011 की जनगणना से पहले जाति का कोई रजिस्टर तैयार नहीं किया गया था। जाति रजिस्टर के लिए यह आदर्श होता कि जातियों के चयन के लिए एक ड्रॉप-डाउन मेनू दिया जाता, जिससे कुछ सुसंगत डेटा उपलब्ध हो पाता जिस पर भरोसा किया जा सकता था।% बिहार और तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण को लेकर क्या कहा? - उन्होंने बताया कि बिहार और तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण किए जाने से पहले ही इस तरह का मेनू तैयार किया गया था। रमेश ने बताया कि यह सुझाव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से 5 मई, 2025 को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में भी शामिल था। मोदी सरकार जाति जनगणना को नाकाम करना चाहती है। प्रधानमंत्री ने 30 अप्रैल, 2025 को पूरी तरह से यू-टर्न लेते हुए घोषणा की कि जाति जनगणना होगी, जिसे उन्होंने पहले शहरी नक्सलवादी विचार कहकर आलोचना की थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद: विफल रही बात, हिंदू पक्षकार बोले- नहीं देंगे मस्जिद के लिए एक इंच जमीन

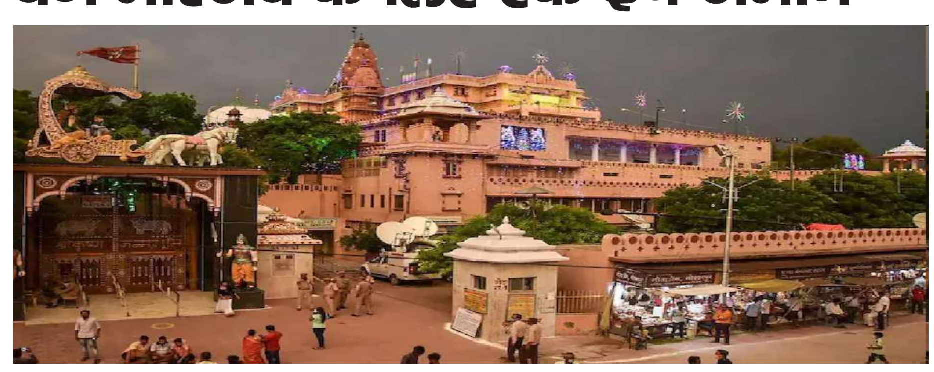

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और हिंदू पक्ष के अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मंगलवार को सुलह केंद्र में दूसरी सुनवाई तय थी, लेकिन मुस्लिम पक्ष वहां उपस्थित नहीं हुआ।श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही मस्जिद ईदगाह विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चल रही सुलह-समझौते की कोशिशें एक बार फिर नाकाम साबित हुई हैं। मथुरा के सुलह समझौता केंद्र में मंगलवार को होने वाली दूसरी वार्ता मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति के कारण विफल हो गई। मुस्लिम पक्ष के न आने पर कोर्ट ने पत्रावली पर सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस अहम विवाद की सुनवाई सीधे सुप्रीम कोर्ट में 21, 22 और 23 अगस्त को की जाएगी। उपस्थित नहीं हुआ मुस्लिम पक्ष- श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और हिंदू पक्ष के अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मंगलवार को सुलह केंद्र में दूसरी सुनवाई तय थी, लेकिन मुस्लिम पक्ष वहां उपस्थित नहीं हुआ। इससे पहले 7 अगस्त को भी दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई थी, जो पूरी तरह बेनतीजा रही थी।हिंदू पक्ष ने वापस लिया जमीन देने का प्रस्ताव- अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने अपना रुख कड़ा करते हुए स्पष्ट किया कि पहले मुस्लिम पक्ष के सामने मस्जिद हटाने के बदले अन्य जगह जमीन देने का प्रस्ताव रखा गया था। लेकिन, अब उन्होंने कोर्ट में साफ कर दिया है कि यह पूरी जमीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ही है, इसलिए अब मस्जिद के बदले कोई भी वैकल्पिक भूमि नहीं दी जाएगी।%दस्तावेज न होने के कारण कतरा रहा मुस्लिम पक्ष%- मामले के एक अन्य हिंदू पक्षकार दिनेश फलाहरी ने मुस्लिम पक्ष की गैरहाजिरी पर सवाल खड़े किए हैं। फलाहरी का दावा है कि मुस्लिम पक्ष के पास इस विवादित स्थल से जुड़े कोई भी ठोस दस्तावेज मौजूद नहीं हैं। उनका कहना है कि यही मुख्य कारण है कि वे बार-बार कोर्ट की कार्यवाही और समझौता वार्ता से बच रहे हैं।मेवात में मस्जिद और बनाने का खर्च उठाने का दिया था प्रस्ताव- हालांकि, दिनेश फलाहरी ने यह भी बताया कि उन्होंने मुस्लिम पक्ष को मेवात में जमीन देने और नई मस्जिद के निर्माण का पूरा खर्च उठाने का प्रस्ताव दिया था। अब सुलह की गुंजाइश खत्म होने के बाद, सभी की निगाहें आगामी 21 से 23 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट में होने वाली महत्वपूर्ण सुनवाई पर टिकी हैं।

संपादकीय Editorial

Villages, not villages, should be like villages.

Before achieving a "city-like village," the village should preserve its "village-like" nature, maintaining goodwill, courtesy, economics, and community spirit. While cities are straying four steps outside the mountain state's code of conduct, villages are traversing forty. In such a scenario, the definition of a city-like village requires numerous criteria: facilities, systems, planning, economics, infrastructure, and trust. What the Chief Minister said at the inauguration of the fire station in Nerwa is more or less mirroring the allocation of electric bus routes. Many of the state's statements are borne out in villages, but evidence of agriculture and horticulture doesn't cover the entire state of Himachal. When the Agricultural University was established in Palampur and the Horticulture University in Solan, hope lit up the village afternoons. Apple-laden branches sang songs of self-respect. While the corn of Bilaspur and Una flexed its tentacles, the rice of Kangra exuded fragrance. Once upon a time, every Himachali household boasted self-sufficiency when it came to production, but are the village fields and the ravine's mill truly intact today? Retail stores have sprung up, and the village household has begun buying packaged milk. Villagers who once abandoned their buffaloes and cows to stray far away are now spoiled by dung. The rush to build new homes has eclipsed their farms, as the land acquired for the four-lane road offers enough money to park a large car in the new home. With 2.5 million registered vehicles in Himachal, and a similar number coming from outside, the village has also lined its streets with vehicles. The village market has shrunk, and brick walls at the roadside block the views of the valleys and mountains.

The HRTC gets stuck in the village square, and traffic jams make villagers pale. It's unknown when the village blacksmith's kiln was abandoned. The blacksmiths, potters, and carpenters have all left for government jobs, and artisans from other states have taken over. Grandmothers no longer stitch quilts, but the people of Uttar Pradesh are earning. The sons of Masto, Devi Lal, or Kanshi Ram no longer work as daily wage laborers. Many parents' children have become addicted to drugs or, under the influence of alcohol, have forgotten how to dance, enjoy volleyball, or lift Hanuman's mace in the Ramlila. Himachal is no longer as rural as it once was, nor are the people truly rural. Surprisingly, even the tribal areas are no longer tribal. All of Kinnaur has moved down to Solan. Lahaul-Spiti has moved down to Manali, while Pangi has become Kullu. If you want to see Holi and Bharmour, look no further than Chamba, which has settled in Kangra. Therefore, to save rural areas, we need policies, programs, and projects that provide electricity, water, and sanitation. The government has recently set an example of keeping the village's soul clean by providing some sanitation vehicles. To protect roads, grounds, streets, rivers, drains, and agriculture, innovative innovations and youth orientation are needed in villages. Village land pooling, forest sharing, rural economy, employment, and markets will need to be developed. Villages will need to develop bus stops, market complexes, intersections, and drainage systems. To manage the advent of urbanization alongside rural development, departmental thinking will need to be changed, and the entire state will need to be coordinated under eight to ten regional development authorities. Bringing the entire state under urban planning, the entire system will need to be strengthened. Now is the time to establish police commissionerates in major cities, while also strengthening the rural police system in the districts.

The Politics of Disrupting Parliament

The Monsoon Session of Parliament was disrupted by the NEET paper leak and opposition uproar, preventing meaningful discussions on issues of public interest. The Monsoon Session of Parliament was marred by excessive noise, uproar, and accusations. The Congress and other opposition parties, led by Rahul Gandhi, disrupted Parliament by raising one issue or another. The NEET paper leak issue was the primary issue. The CJP organized a march to Parliament, starting with a protest at Jantar Mantar. The opposition used police force to prevent this march from reaching Parliament, which they used as a means to disrupt Parliament. While Parliament has been disrupted and sessions have been unproductive before, this time the performance was even more disappointing. Although the government managed to pass more than ten bills amid the uproar, only the bill amending the Paper Leak Act was discussed. Even this discussion did not focus on the provisions of this bill. It's difficult to say whether the bills passed and about to become law, despite the lack of discussion, will stand the test. It should not be overlooked that the Paper Leak Act was amended in 2024. If it needs to be amended again just two years later, it means the previous amendments weren't sufficient.

Rahul Gandhi and other opposition leaders are considering the inaction of Parliament and the failure to introduce several bills as a victory, but they are forgetting that the public has a short memory and doesn't remember the uproar inside and outside Parliament at all. The public understands well that no issues of concern to their interests were discussed in this session of Parliament. They don't even know what the bills passed contained and what benefits they will receive from them. If issues of public interest are not discussed in Parliament at all, the public will be disappointed.

The declining level of debate in Parliament is sending a message to the general public, and especially the Gen-Z generation, that disrupting Parliament is an essential democratic function of the opposition and must be undertaken. This is a misconception and against the very tenets of parliamentary democracy. Without meaningful debate, Parliament will lose its significance. It is essential to re-establish rules for the proper functioning of Parliament.

Failing to do so will embolden leaders like Rahul Gandhi, who believe that harsh language and baseless accusations strengthen their political standing. In fact, this misconception is the reason for Rahul Gandhi's political failure. Instead of understanding this, he is engaging in increasingly irresponsible politics. Recently, he used abusive language against Prime Minister Modi and Home Minister Amit Shah. He should know that such behavior only harms him, and the BJP successfully uses his abusive language to its advantage.

Congress and other opposition parties have been pursuing a strategy of disrupting Parliament for a long time. Now, if the government agrees to discuss an issue, the opposition either sidesteps it or comes up with another demand. This results in a political game of accusations and counter-accusations. Political parties must consider what they and society gain from meaningless discussions.

Parliament exists to ensure proper lawmaking and to facilitate discussions on issues of national importance that guide the country, but this is now rarely achieved.

The opposition's intent on disrupting Parliament during the monsoon session was evident from Rahul Gandhi's insistence on Home Minister Amit Shah's statement on the police use of force during the CJP's Parliament march, and when he agreed, he refused, saying he did not want to hear his speech. It is difficult to understand what he and other opposition leaders wanted.

They should know that meaningless discussions on any issue do not change the situation—neither do they enact laws nor do they solve the problems of the common people. Superficial accusations and counter-accusations in the name of discussion in Parliament are only weakening democracy. Now, there is rarely a proper discussion on the details of any bill in Parliament. The number of MPs who express their views logically is dwindling. Those who do exist appear helpless in the face of the uproarious MPs.

Another problem is that average MPs are now realizing that a patient and serious discussion will not help them win elections. Because creating a ruckus makes them headlines, they prefer to do so.

It is not satisfactory that many bills are sent to parliamentary committees for discussion, such as the Foreign Contribution Regulation Act (FCRA), because it is very rare to see proper discussions in parliamentary committees and the result is better legislation. It is a fact that the FCRA had to be referred to a parliamentary committee because the opposition, instead of debating it, was insisting on withdrawing it.

The country celebrated its 80th Independence Day yesterday, but we cannot ignore the fact that the foundation of democracy does not seem to be strengthening in Parliament.

Instead, it seems to be weakening. The truth is that it is being deliberately weakened. Meaningful discussions on the country's problems in Parliament should be a means of giving direction to society or The de-prioritization of law-making should be a cause of serious concern for parliamentary democracy – for the ruling party and the opposition as well as for society.

A National Policy for Data Centers

The rapidly growing number of data centers in India has highlighted the need for the digital economy, but their increasing pressure on power, water, and the environment has also been highlighted. Data centers are crucial for the digital economy, but they pose a resource challenge. Power and water consumption and environmental impact are concerning.

A national green data center policy is urgently needed for balanced development. In the coming years, the true strength of any nation will be determined more by its digital resources than by its natural resources. The entire structure of the rapidly expanding digital economy, driven by programs such as artificial intelligence (AI), cloud computing, digital banking, digital education, telemedicine, e-governance, electronics manufacturing, defense, space research, and Industry 4.0, is based on data. Just as oil was considered the backbone of the economy in the last century, today data is being considered the fuel of the new economy. Large data centers are required to store, process, and make data available at all times. This is why competition for data center construction has intensified across the world, including India. To this end, the central government is promoting the sector through initiatives like Digital India, Data Localization, and the AI ??Mission. Maharashtra, Uttar Pradesh, Tamil Nadu, Telangana, Gujarat, Karnataka, and other states have formulated their own data center policies. These policies aim to attract investment, simplify approval processes, provide tax incentives, and position India as a global data and AI hub.

The proliferation of artificial intelligence will lead to a rapid increase in both the number and capacity of data centers over the next decade. Digital sovereignty will be strengthened if the data of Indian citizens, banks, hospitals, universities, and government institutions is kept safe within the country. However, building a small data center of 1 to 5 megawatts requires approximately 2 to 1 million liters of water per day, along with a continuous power supply of 1 to 5 megawatts. Therefore, the question becomes crucial: do we have sufficient power, water, and environmental capabilities to support the rapid pace at which data centers are being established in India? India already faces challenges such as water scarcity, energy demand, and climate change. Today, the development of data centers is essential in the national interest, but it should not be at the expense of natural resources. Concerns about data centers are not limited to India; they have become a global topic of debate. In India, local protests and concerns have emerged in Thane and Navi Mumbai, Maharashtra, regarding land use, increased electricity demand, traffic, and environmental impact. In Andhra Pradesh, farmers protested against land acquisition for proposed data center projects, while in areas like Chennai and Rajasthan, experts are raising questions about water scarcity and resource availability. Similarly, in Ireland, increasing pressure on the power grid led to strict restrictions on new data centers. In the Netherlands, widespread protests were faced over agricultural land and energy consumption, while Singapore temporarily halted new projects due to energy and land limitations. In Spain and Chile, local communities protested over the impact on water resources. Clearly, the source of controversy is not the data centers themselves, but rather their location, energy and water availability, and environmental management. Therefore, India must adopt a policy that balances digital development and natural resource conservation. India currently lacks a comprehensive national policy or separate law for data centers. However, a strategic sector like data centers requires a uniform national approach. First, location selection shouldbe scientifically based to prevent unplanned expansion in areas with water and power shortages. The country could be divided into green, yellow, and red zones based on resource availability. National standards for treated wastewater, rainwater harvesting, water-efficient cooling technologies, and water use efficiency should be mandated. Given the growing energy needs, a clear strategy must be adopted to gradually connect data centers to clean energy sources such as solar, wind, hydropower, and small modular nuclear reactors. Industrial and wasteland should be prioritized over fertile agricultural land, and local community participation should be ensured with transparency, with independent environmental.

डिंपल यादव देश की मां, ममता का प्रतीक, बिलारी के सपा विधायक के बिगड़े बोल; कांवड़िये के स्वागत में बयान

मुरादाबाद के बिलारी विधायक के बिगड़े बोल सामने आए हैं। उन्होंने डिंपल यादव को देश की मां बताया है। साइकिल पर सपा का झंडा लगाने वाले कांवड़िये के स्वागत के दौरान सपा विधायक ने यह बयान दिया।कांवड़ यात्रा के दौरान मुरादाबाद के बिलारी से सपा विधायक हाजी मो. फहीम इरफान का सांसद डिंपल यादव को लेकर दिया गया बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बयान में उन्होंने डिंपल यादव को देश की मां और ममता का प्रतीक बताया है। इसे लेकर लोग अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। सपा समर्थक इसे कार्यकर्ता की भावनात्मक अभिव्यक्ति बता रहे हैं, जबकि विरोधी धार्मिक यात्रा के बीच पार्टी के राजनीतिक प्रचार को लेकर सवाल उठा रहे हैं। रविवार को विधायक कांवड़ियों के स्वागत के लिए बिलारी में पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें एक ऐसा कांवड़िया मिला, जिसकी कांवड़ पर सपा का झंडा लगा था। कांवड़ पर सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव, पार्टी मुखिया अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव की तस्वीरें भी लगी थीं। कांवड़िया हरिद्वार से बरेली की ओर जा रहा था। उसके पास करीब साढ़े 31 लीटर गंगाजल था। सांसद डिंपल यादव इस समय पूरे देश की मां%- विधायक ने उसका स्वागत किया और सपा के प्रति उसकी निष्ठा की सराहना की। बातचीत में कांवड़िये ने 2027 में अखिलेश यादव की सरकार बनने की मन्नत के साथ कांवड़ यात्रा करने की बात कही। इसके बाद कांवड़ पर लगी तस्वीरों का जिक्र करते हुए विधायक फहीम इरफान ने कहा कि सांसद डिंपल यादव इस समय पूरे देश की मां और ममता का प्रतीक हैं। उन्होंने अखिलेश यादव की तस्वीर को लेकर भी कांवड़िये की आस्था का जिक्र किया। विधायक ने उसके हाथ पर बने अखिलेश यादव के टैटू को भी पार्टी के प्रति उसकी मोहब्बत से जोड़ा। विधायक के बयान का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

शराब की दुकान के विरोध में एल्फा जी का प्रदर्शन, मुरादबाद डीएम ने 15 दिन में हटाने का दिया आश्वासन

मझोला क्षेत्र में स्कूल से करीब 20 मीटर दूर शराब की दुकान के विरोध में छात्र-छात्राओं और महिलाओं ने प्रदर्शन किया। डीएम के आश्वासन के बाद जिला आबकारी अधिकारी ने 15 दिन में दुकान स्थानांतरित करने का भरोसा दिया, जिसके बाद धरना समाप्त हुआ।मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के एकता विहार में स्कूल के पास शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर मंगलवार को छात्र-छात्राओं (एल्फा जी) और स्थानीय महिलाओं ने प्रदर्शन किया। मंडी समिति सेकेंड गेट स्थित बीएमडी पब्लिक स्कूल से करीब 20 मीटर की दूरी पर देसी शराब की दुकान संचालित होने से लोग नाराज हैं।

प्रदर्शन की सूचना पर जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया मौके पर पहुंचे और छात्रों को दुकान हटाने का आश्वासन दिया। बाद में जिला आबकारी अधिकारी ने भी 15 दिन में दुकान स्थानांतरित करने की बात कही, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।स्थानीय महिलाओं ने बताया कि इससे पहले दो अगस्त को भी दुकान हटाने की मांग को लेकर धरना दिया गया था। उस समय आबकारी विभाग ने 10 से 12 दिन में दुकान स्थानांतरित करने का आश्वासन दिया था, लेकिन समयसीमा बीतने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई।इसके बाद मंगलवार को महिलाओं और छात्र-छात्राओं ने दोबारा प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारी पहुंचे और धरना समाप्त करने का अनुरोध किया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने दुकान हटने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही।

प्रदर्शन की सूचना पर जिलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थानीय महिलाओं, छात्र-छात्राओं व क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि दुकान हटाने की कार्रवाई की जाएगी और उन्हें निश्चिंत होकर पढ़ाई करने को कहा।इसके बाद जिला आबकारी अधिकारी रविंद्र प्रताप सिंह ने मौके पर पहुंचकर 15 दिन के भीतर दुकान स्थानांतरित करने का आश्वासन दिया। आबकारी अधिकारी ने दुकान संचालक को दुकान परिसर में किसी भी प्रकार की कैंटीन अथवा शराब पिलाने की व्यवस्था नहीं करने के निर्देश भी दिए।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि 15 दिन में दुकान नहीं हटाई गई तो दोबारा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

शुरू होने से पहले ही बारिश में धंसी रिंग रोड, 655 करोड़ से हो रहा 33 किमी लंबे मार्ग का निर्माण

मुरादाबाद की करीब 655 करोड़ रुपये की लागत से बन रही रिंग रोड वाहनों के चलने से पहले ही बारिश में धंसने लगी है। भटावली से गुरु जंभेश्वर विवि के बीच करीब दो किमी में 12 स्थानों पर सड़क में गड्ढे और दरारें मिली हैं। एनएचएआई का दावा है कि यातायात शुरू होने से पहले सभी खामियां दुरुस्त कर दी जाएंगी।गंगा एक्सप्रेसवे तो वाहनों के रफ्तार भरने के तीन माह बाद धंसा है लेकिन मुरादाबाद की रिंग रोड वाहनों के दौड़ने से पहले ही धंसने लगी है। करीब 655 करोड़ की लागत से बन रही रिंग रोड पर दो किमी के दायरे में एक दर्जन से ज्यादा गड्ढे हो गए हैं। ये गड्ढे गुरु जंभेश्वर विवि से भटावली के बीच हुए हैं।

एनएचएआई के अफसरों ने यातायात शुरू होने से पहले सभी व्यवस्था दुरुस्त करने का दावा किया है। शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए 33.72 किमी लंबी रिंग रोड का निर्माण कराया जा रहा है। इसका निर्माण करीब तीन साल से चल रहा है। एनएचएआई के मुताबिक रिंग रोड का 85 फीसदी काम पूरा हो चुका है।रिंग रोड के शुरू होने से जंभेश्वर यूनिवर्सिटी जाने वालों और बाहर से आने वाले भारी वाहन बाहर से ही निकल जाएंगे। शहर के रास्तों पर वाहनों का दबाव कम हो जाएगा। दिल्ली रोड से शुरू हुई रिंग रोड भटावली होकर दलपतपुर निकल रही है। इसका निर्माण सितंबर 2023 में शुरू किया गया था। लेकिन अभी तक निर्माण पूरा नहीं हो सका है।एनएचएआई 85 फीसदी काम पूरा होने का दावा कर रही है। वाहनों का आवागमन शुरू होने से पहले बारिश में रिंग रोड धंसने लगी है। भटावली से गुरु जंभेश्वर विवि तक करीब दो किमी में 12 स्थानों पर सड़क धंस गई है। इसमें रामगंगा नदी पर बने पुल पर सड़क सबसे ज्यादा धंसी मिली।

कुछ जगहों पर तो जोड़ पर ही सड़क फट गई है। इसके अलावा सलेमपुर बंगर और कैलसा बाईपास के बीच पुल पर भी सड़क धंसी मिली। इससे रिंग रोड की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं रिंग रोड पर बने गड्ढों में सीमेंट के कट्टों में रेत भरकर डाले गए हैं। कई स्थानों पर गड्ढे खुले हुए हैं।

रिंग रोड अभी निर्माणाधीन है। पानी के निकालने की व्यवस्था भी अस्थायी है। हालांकि रिंग रोड के संचालन से पहले सब कुछ दुरुस्त किया जाएगा। निर्माण के दौरान कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। कांवड़ यात्रा की वजह से काम बंद है। इससे पहले डीजल और कोलतार नहीं मिलना भी कारण रहा। फिलहाल दिसंबर तक रिंग रोड को शुरू करने की कोशिश की जा रही है। - अरविंद कुमार, परियोजना निदेशक एनएचएआई रिंग रोड का अभी उद्घाटन नहीं हुआ है। इससे पहले ही सड़क कई जगह धंस गई है। इसका कारण बारिश का पानी भी रहा है। लेकिन इतनी जल्दी सड़क बैठ जाएगी उम्मीद नहीं थी। - सैफ चौधरी, राहगीरसड़क में आरसीसी नहीं लगी है। जोड़ के ऊपर कोलतार डाल दिया। इसलिए सड़क में मजबूती नहीं है। बरसात के पानी और बाइकों के आवागमन से सड़क टूटकर धंस गई। - सुरेंद्र सिंह, किसान रिंग रोड़ पर वाहन अभी नहीं गुजरे, लेकिन बैल गाड़ी से जंगल जाना रोज का रहता है। इस दो किमी के बीच 12 से भी ज्यादा छोटे बड़े गड्ढे हैं। अगर सड़क बारिश नहीं झेल पाई तो भारी वाहनों का वजन कैसे झेल सकेगी। - चंद्रप्रकाश, किसान रामगंगा नदी के पार या फिर मूंढापांडे के किसी गांव का कार्य होता है तो रिंग रोड से गुजरना हो जाता है। कई जगह से सड़क धंसी हुई है। अब निर्माण से पहले यह हाल है तो लोडेड वाहन गुजरेंगे तो क्या होगा। - अशरफी, राहगीर

विवेचना में लापरवाही, बछरायूं थानाध्यक्ष और मलेशिया चौकी के प्रभारी निलंबित, कई कर्मियों की जांच जारी

अमरोहा एसपी लखन सिंह यादव ने विवेचना में गंभीर अनियमितताओं और लापरवाही पर बछरायूं थानाध्यक्ष कुलदीप तोमर और मलेशिया चौकी प्रभारी चांदवीर सिंह को निलंबित कर दिया। दोनों पर आरोपियों को अनुचित लाभ पहुंचाने, प्रभावी कार्रवाई न करने और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने में लापरवाही के आरोप हैं। विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।विवेचना में गंभीर अनियमितता बरतने पर एसपी लखन सिंह यादव ने बछरायूं के थानाध्यक्ष कुलदीप तोमर और मलेशिया चौकी प्रभारी चांदवीर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कार्रवाई से पुलिस महकमे में खलबली मच गई है।

एसपी ने बताया कि थाना बछरायूं में आयुध अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी की विवेचना में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में आरोपियों को अनुचित लाभ पहुंचाने, फरार और प्रकाश में आए आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं करने तथा महत्वपूर्ण साक्ष्यों का समुचित संकलन नहीं करने की बात सामने आई।संदिग्धों की भूमिका का गंभीरता से परीक्षण नहीं करने और विवेचना में घोर उदासीनता बरतने के तथ्य भी मिले। इसे गंभीरता से लेते हुए दोनों को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।एसपी ने कहा कि आपराधिक मामलों की विवेचना निष्पक्ष, पारदर्शी और साक्ष्यों के आधार पर होनी चाहिए। लापरवाही, महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने में चूक या अभियुक्त को अनुचित लाभ पहुंचाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ड्यूटी में लापरवाही या नियमों की अनदेखी पर कठोर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी।

संक्षिप्त समाचार

काली माता मंदिर की गद्दी पर कब्जे की कोशिश, सात के खिलाफ केस, पांच आरोपी गिरफ्तार; चाकू बरामद

लालबाग काली माता मंदिर की गद्दी के विवाद में पूर्व महंत सज्जन गिरि समेत सात लोगों पर मारपीट, तोड़फोड़ और कब्जे की कोशिश का मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच चाकू बरामद किए हैं। पांचों को आर्म्स एक्ट के मामले में जेल भेज दिया गया।लालबाग काली माता मंदिर की गद्दी का विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। महंत पद से हटाए गए सज्जन गिरि शनिवार को साथियों के साथ मंदिर में घुस गए और गद्दी पर कब्जा करने की कोशिश की। महंत विनय गिरि के साथ मारपीट की गई। सीसीटीवी कैमरा और डीवीआर को तोड़ दिया। इस मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया। दिल्ली के लाल किला कोतवाली क्षेत्र हनुमान मंदिर निवासी महंत कंचन गिरि ने मुगलपुरा थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह प्राचीन सिद्धपीठ काली माता मंदिर के महंत हैं।अप्रैल में मंदिर से हटाए गए लखनऊ के बंथरा कस्बा निवासी पूर्व महंत सज्जन गिरि अपने भतीजे विशाल सिंह, मध्य प्रदेश के भिंड निवासी पवन गिरि, लखनऊ के बंथरा निवासी अमन सिंह, चालक अनुराग सिंह, अभय सिंह व आर्यन सिंह के साथ शनिवार की सुबह करीब 11ः30 बजे काली माता मंदिर में घुस गए।आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरा और डीवीआर तोड़ दिए गए। आरोपियों ने मंदिर में मौजूद संतो-महंतों के साथ लाठी-डंडे से मारपीट की। आसपास के लोगों ने पहुंचकर किसी तरह सभी को बचाया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पूर्व महंत सज्जन गिरी, उसके भतीजे विशाल समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर किया गया है।रविवार को आरोपी लखनऊ के बंथरा थाने के सिकंदरपुर निवासी अभय सिंह, दादोपुर बंथरा निवासी विशाल सिंह, गढ़ी चुनौती निवासी आर्यन सिंह, भूपखेड़ा दादोपुर निवासी अनुराग सिंह और पचधरा सिकंदरपुर निवासी अमन सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के पास से पांच चाकू बरामद किए गए हैं। सभी के खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस अलग से दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से पांचों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

भाजपा जिला पंचायत सदस्य समेत चार पर छेड़खानी का केस, महिला सचिव बोली- अभिलेख फाड़े, धमकी भी दी

मूंढापांडे में महिला पंचायत सचिव ने भाजपा के जिला पंचायत सदस्य अजयवीर यादव समेत चार लोगों पर छेड़खानी, धमकी और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूंढापांडे थानाक्षेत्र में एक महिला पंचायत सचिव से छेड़खानी का मामला सामने आया है। सचिव की तहरीर तहरीर पर पुलिस ने भाजपा के जिला पंचायत सदस्य अजयवीर यादव और प्रधान समेत चार के खिलाफ छेड़खानी और सरकारी कार्य में बाधा डालने की रिपोर्ट दर्ज की है। महिला पंचायत सचिव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि भाजपा के जिला पंचायत सदस्य अजयवीर यादव अपने सहयोगियों से झूठी शिकायत कराकर सरकारी कार्यों में बांधा उत्पन्न करते हैं। वह चार अप्रैल अपने कार्यालय में सरकारी काम निपटा रही थीं।आरोप है कि अजयवीर यादव अपने साथियों के साथ पहुंचे और उनको अशब्द बोलने लगे। उनके पास कुर्सी डालकर बैठ गए। अश्लील इशारे करने के बाद छेड़खानी करने लगे। विरोध करने पर झूठी शिकायत कर निलंबित कराने और जान से मारने की धमकी देते अभिलेखों को मोड़ दिया।इसके पहले अजयवीर यादव ने गांव के मनोहर और कुलवंत को अधूरे कागजों के साथ जन्म प्रमाणपत्र बनवाने उनके पास भेजा था। लालच देकर उन पर नियम विरुद्ध जन्म प्रमाणपत्र बनाने का दबाव डाला गया था। जिला पंचायत सदस्य अजयवीर यादव ने बताया कि उन पर सचिव द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं।उनके कार्यालय में कैमरे लगे हुए हैं। उनका आरोप है कि सचिव ने बिना सुविधा शुल्क प्रमाणपत्र नहीं बनाया तो इसकी शिकायत डीएम से कर दी थी।

सोने-चांदी की राखी से खास बनाएंगे त्योहार, कीमत पांच से 50 हजार तक, बाजार हुए गुलजार

रक्षाबंधन नजदीक आते ही मुरादाबाद के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। सराफा बाजार में सोने की 20 से 50 हजार और चांदी की एक से पांच हजार रुपये तक की राखियां आकर्षण का केंद्र बनी हैं।

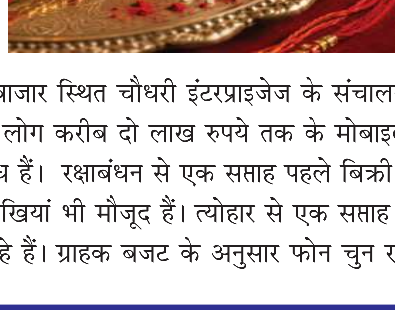

रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। दुकानों पर राखियों और उपहारों की नई रेंज सज गई है। सराफा बाजार में सोने और चांदी की राखियां आकर्षण का केंद्र बनी हैं। वहीं मोबाइल शोरूम में भी नए फोन की बुकिंग शुरू हो गई है। भाई बहनों को राखी के साथ महंगे मोबाइल उपहार में देने की तैयारी कर रहे हैं। गंज बाजार और मंडी चौक के सराफा कारोबारियों ने ग्राहकों की पसंद को देखते हुए सोने और चांदी की राखियों के कई नए डिजाइन तैयार किए हैं। सोने की राखियां 20 हजार से 50 हजार रुपये तक की हैं। चांदी की राखियों की कीमत एक हजार से पांच हजार रुपये तक है। इनमें पारंपरिक के साथ आधुनिक डिजाइन भी शामिल हैं। अलग-अलग वजन और डिजाइन में राखियां तैयार की गई हैं। कारोबारियों का कहना है कि फिलहाल राखियों की बिक्री तेज नहीं हुई है। रक्षाबंधन से करीब एक सप्ताह पहले बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। त्योहार को लेकर बाजारों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।राखी के साथ बहनों को मोबाइल का तोहफा- रक्षाबंधन पर बहनों को मोबाइल फोन उपहार में देने का चलन भी बढ़ रहा है। इसे देखते हुए मोबाइल शोरूम में नए मॉडल की बुकिंग शुरू हो गई है। कई ग्राहक पहले ही फोन बुक करा रहे हैं। इन्हें त्योहार के दिन बहनों को देने के लिए गिफ्ट पैक कराया जा रहा है। गंज बाजार स्थित चौधरी इंटरप्राइजेज के संचालक रवींद्र गोयल ने बताया कि अब तक करीब 20 मोबाइल की बुकिंग हो चुकी है। ग्राहक अपनी पसंद और बजट के अनुसार फोन चुन रहे हैं। रक्षाबंधन पर लोग करीब दो लाख रुपये तक के मोबाइल भी बहनों को उपहार में देते हैं। इस बार सोने और चांदी की राखियों में कई नए डिजाइन तैयार किए हैं। चांदी की पांच हजार रुपये तक की राखियां उपलब्ध हैं। रक्षाबंधन से एक सप्ताह पहले बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। - प्रदीप रस्तोगी, सराफा कारोबारी,सोने की 20 हजार से 50 हजार रुपये तक की राखियां तैयार हैं। पांच हजार रुपये तक की चांदी की राखियां भी मौजूद हैं। त्योहार से एक सप्ताह पहले बिक्री तेज होने की उम्मीद है। -नीरज अग्रवाल, सराफा कारोबारी, रक्षाबंधन पर भाई बहनों को मोबाइल उपहार में देने के लिए नए मॉडल पसंद कर रहे हैं। ग्राहक बजट के अनुसार फोन चुन रहे हैं। त्योहार के आसपास बिक्री और बढ़ेगी। -रवींद्र गोयल, शोरूम संचालक, गंज बाजार

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम ने अचानक पहुंचकर नवोदय विद्यालय का किया निरीक्षण, 12वीं की क्लास में बने शिक्षक

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।मंगलवार को जिलाधिकारी अविनाश चन्द्र ने अचानक रफियाबाद स्थित नवोदय विद्यालय पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचने से विद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया। तहसील समाधान दिवस के बाद करीब ढाई बजे डीएम नवोदय विद्यालय अचानक पहुंचकर विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद वे सीधे मेस में पहुंचे और बच्चों को परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता जांची।इस दौरान उन्होंने खुद भी भोजन किया।

उन्होंने बच्चों से बैठकर बातचीत की और मेन्यू, साफ-सफाई तथा भोजन के समय के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने भोजन और पढ़ाई को लेकर संतुष्टि जताई।

निरीक्षण के दौरान डीएम कक्षा-12 में पहुंच गए और वहां कुछ देर तक शिक्षक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने छात्रों से विषय से जुड़े सवाल पूछे और उनकी तैयारी परखकर खुद के भविष्य को लेकर सजग रहने की सलाह दी।कुछ बच्चों ने भी डीएम से उनके अनुभव सीखे।जिलाधिकारी ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष रूप से तैयार करे। उन्होंने छात्रावास, पुस्तकालय और खेल मैदान का भी निरीक्षण किया। विद्यालय में साफ-सफाई और अनुशासन को लेकर उन्होंने प्राचार्य को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि नवोदय विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के होनहार बच्चों के लिए वरदान है, यहां की शिक्षा और सुविधाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिए।

पीआरडी जवानों के लिए मुख्यमंत्री ने की कैशलेस स्वास्थ्य बीमा एवं ड्यूटी भत्ता बढ़ोतरी की घोषणा की

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में पीआरडी जवानों का सम्मेलन गोरखपुर में आयोजित किया गया, सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने पीआरडी जवानों की सेवा, समर्पण, निष्ठा एवं अनुशासन को देखते हुए समस्त पीआरडी जवानों के लिए मुख्यमंत्री कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना तथा ड्यूटी भत्ता बढ़ोतरी की घोषणा की। साथ ही पीआरडी जवानों के प्रशिक्षण हेतु सरोजिनी नगर, लखनऊ में बहुमंजिला बैरक के निर्माण का शिलान्यास भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने यातायात व्यवस्था, पुलिस के साथ थानों में, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों तथा महाकुंभ सहित अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर पीआरडी जवानों द्वारा की गई ड्यूटी की सराहना की। उन्होंने जवानों द्वारा ईमानदारी, निष्ठा एवं अनुशासन के साथ किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकास भवन सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने की। कार्यक्रम का संचालन महाराज सिंह द्वारा किया गया तथा आयोजन जिला युवा कल्याण अधिकारी हरि प्रेम के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विकासखंडों के पीआरडी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विभिन्न विकासखंडों से आए लगभग 150 पीआरडी जवानों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर एमएलसी प्रतिनिधि शैलेन्द्र मोहन शर्मा, जिला महामंत्री भाजपा बदायूँ, जिला विकास अधिकारी तथा परियोजना निदेशक, डीआरडीए सहित अन्य अधिकारी तथा विशाल पाल, अनुज कुमार, नरेन्द्र कुमार, कांति प्रसाद, हिम्मत सिंह, मनोज कुमार, विकास शर्मा, रंजीत सिंह तथा सेवानिवृत्त कनिष्ठ सहायक राहुल चौबे सहित अन्य उपस्थित रहे।

एडीएम-ई एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर नें कछला गंगा घाट एवं कांवड़ मार्ग का किया स्थलीय निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / आज जनपद बदायूं श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के लक्ष्य के साथ सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज एडीएम-ई श्री अरुण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह द्वारा कछला गंगा घाट एवं कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया । अधिकारियों द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं आवश्यक सुविधाओं से संबंधित तैयारियों का गहनता से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।निरीक्षण के दौरान कछला गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, घाट की सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा घाट एवं कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ एवं सतर्क रखी जाए । कांवड़ यात्रा के दौरान संभावित भीड़ एवं यातायात के दृष्टिगत रूट डायवर्जन, पार्किंग व्यवस्था, बैरियर, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन एवं वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने संबंधित पुलिस एवं यातायात कर्मियों को निर्देशित किया कि निर्धारित यातायात व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए, जिससे कांवड़ियों, श्रद्धालुओं एवं आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो । यातायात व्यवस्था के संबंध में निर्देशित किया गया कि बाईपास की ओर नवनिर्मित हाईवे पर कछला की ओर से दोपहिया वाहन उझानी की ओर जा सकेंगे, लेकिन वापसी की अनुमति नहीं होगी । दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल से आगे जाने की अनुमति नहीं होगी । सोरों साइड में डीजे वाहनों के लिए पृथक पार्किंग की व्यवस्था की गई है। प्रभारी निरीक्षक उझानी एवं यातायात निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि किसी भी वाहन को पुल अथवा घाट की ओर अनधिकृत रूप से जाने न दिया जाए तथा यातायात व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए । अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्ग, प्रमुख चौराहों, संवेदनशील स्थलों एवं कछला गंगा घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को पूर्णत: सुदृढ़ एवं सतर्क रखा जाए । सभी ड्यूटी प्वाइंट पर नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सतर्कता, अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा श्रद्धालुओं की सहायता एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें । अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने, भीड़ नियंत्रण, आपात स्थिति से निपटने तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। पुलिस बल को लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए गए ।

अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना प्रशासन एवं पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी । निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक उझानी श्री प्रवीण कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात श्री मनोज कुमार सहित,ईओ नगरपालिका,चौकी प्रभारी कछला व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे ।

छह साल से अधूरा पड़ा आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल में चल रहा संचालन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / अमरिया। विकासखंड अमरिया की ग्राम पंचायत सद्दरपुर के मजरा हैदराबाद ढिंगारा में आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण करीब छह वर्ष बाद भी पूरा नहीं हो सका है। भवन में महज फर्श और पुताई का काम अधूरा पड़ा होने के कारण आंगनवाड़ी केंद्र का संचालन आज भी कंपोजिट विद्यालय हैदराबाद में किया जा रहा है।

इससे बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार की ओर से भवन निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत की जाती है तो निर्माण के साथ आवश्यक कार्यों के लिए भी बजट दिया जाता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि छह वर्ष बीत जाने के बावजूद भवन में फर्श और पुताई का काम क्यों नहीं कराया गया। अधूरा भवन जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रहा है। कंपोजिट विद्यालय हैदराबाद के प्रधानाध्यापक रियासत हुसैन ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्र के अधूरे निर्माण को लेकर कई बार ग्राम प्रधान, सचिव और उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इसके चलते आंगनवाड़ी केंद्र विद्यालय परिसर में संचालित हो रहा है। वहीं विद्यालय की सड़क किनारे बनी बाउंड्रीवाल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इससे विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही बच्चों और शिक्षकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने और विद्यालय की क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवाल की मरम्मत कराने की मांग की है। छह वर्षों से अधूरे पड़े भवन और क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवाल को लेकर अब ग्रामीणों की निगाहें जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों की कार्रवाई पर टिकी हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रभारी सचिव सुमन तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ द्वारा 12 सितम्बर 2026 को जनपद-बदायूँ में समय प्रातः 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

माननीय जनपद न्यायाधीष/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ की अध्यक्षता में किया जाना सुनिश्चित किया गया है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु माननीय जनपद न्यायाधीष/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश के अनुपालन में श्री राज वीर सिंह, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, बदायूँ एवं श्रीमती सुमन तिवारी, प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में समस्त न्यायिक मजिस्टेऊटगण के फौजदारी वाद, समनीय वाद, चैक बांउस से संबंधित धारा 138 एन0आई0एक्ट के वाद, लघु वाद, सिविल वाद व अन्य प्रकार के वादों के निस्तारण हेतु बैठक मंगलवार को आहूत की गयी। बैठक में उपस्थित समस्त न्यायिक अधिकारीगणों को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जनसामान्य को सूचित कर अधिकाधिक संख्या में प्री-लिटीगेशन विवादों को नियत कर आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण कराने का यथासम्भव प्रयास करें।

मीरगंज समाधान दिवस में डीएम का सख्त रुख, शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को तहसील मीरगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ।

डीएम ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सुबह 9-45 से दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहकर जनता की शिकायतें सुनने तथा निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करने को कहा। समाधान दिवस में सफाई, राशन कार्ड, बिजली कनेक्शन और चकमार्ग पर कब्जे समेत विभिन्न शिकायतें आईं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। मौके पर ही छह पात्र लाभार्थियों के राशन कार्ड बनाए गए। इस दौरान एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा, एसडीएम मीरगंज निधि शुक्ला समेत विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

छुट्टा पशु के हमले में बावर्ची घायल, कस्बे में बढ़ी आवारा पशुओं की समस्या लोग परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के मोहल्ला नई बस्ती निवासी 55 वर्षीय लईक अहमद रविवार दोपहर छुट्टा पशु के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों ने किसी तरह उन्हें पशु से बचाया। परिजनों के अनुसार लईक अहमद रविवार दोपहर कस्बे की सब्जी मंडी में सब्जी खरीदने के लिए गए थे। इसी दौरान पीछे से आए एक छुट्टा पशु ने अचानक उन पर हमला कर दिया। पशु के हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह उन्हें पशु से बचाया। स्थानीय लोगों के मुताबिक फतेहगंज पश्चिमी कस्बे में छुट्टा पशुओं की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। सड़क, बाजार और सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी संख्या में पशु घूमते नजर आते हैं। इनके कारण आए दिन राहगीरों और दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कई बार छुट्टा पशु लोगों पर हमला कर चुके हैं, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

औचक निरीक्षण में तीन कर्मचारियों का वेतन रोका

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीत। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने मंगलवार को मरौरी ब्लॉक के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, साफ-सफाई, शौचालय, मिड-डे मील और डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था देखी। प्राथमिक विद्यालय मोहनपुर में सुबह साढ़े आठ बजे तक सहायक अध्यापिका पूजा कुमारी, अर्चना गंगवार और शिक्षामित्र रेनू शर्मा विद्यालय नहीं पहुंची थीं। बीएसए ने तीनों का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। विद्यालय परिसर में गंदगी मिलने पर प्रधानाध्यापक को साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए। जूनियर हाईस्कूल मोहनपुर और कंपोजिट विद्यालय देवीपुरा में शौचालय गंदे मिलने पर संबंधित प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा गया। प्राथमिक विद्यालय गुर्ज गोटिया में भी मैदान में गंदगी मिलने पर शिक्षकों को साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए। प्राथमिक विद्यालय घेरा रिछोला में व्यवस्थाएं बेहतर मिलीं। यहां मिड-डे मील की गुणवत्ता भी संतोषजनक पाई गई। बीएसए ने बच्चों के साथ बैठकर मिड-डे मील ग्रहण किया और शिक्षामित्र हेमवती की सराहना की। बीएसए ने सभी विद्यालयों में डिजिटल अटेंडेंस अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल उपस्थिति में लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री दिव्याशा-वयोश्री केंद्र का शुभारंभ, 64 दिव्यांगजनों को मिली मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत ।जिला अस्पताल के आयुष विंग में मंगलवार को प्रधानमंत्री दिव्याशा-वयोश्री केंद्र के उद्घाटन एवं निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान की मौजूदगी में 64 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरित की गईं। इसके अलावा दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, कान की मशीन और बैसाखी सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए।आदर्श जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के जिला समन्वयक सुखवीर सिंह भदौरिया भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। केंद्र की स्थापना से जिले के पात्र लोगों को स्थानीय स्तर पर ही सहायता मिल सकेगी और उन्हें उपकरणों के लिए दूसरे शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने कहा कि सहायक उपकरण दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेंगे।

जमीला ने बदला धर्म, बनी ज्योति बरेली में प्रकाश संग रचाई शादी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। झारखंड की जमीला खातून की कहानी अब बरेली में चर्चा का विषय बन गई है। 18 साल की जमीला ने सनातन धर्म अपनाकर अपना नाम ज्योति देवी रख लिया और प्रेमी प्रकाश रविदास के साथ सात फेरे लिए। जमीला का आरोप है कि भगवान शिव की पूजा करने की वजह से उसका शौहर उससे मारपीट करता था। आखिरकार उसे तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया गया। इसके बाद प्रकाश ने उसका हाथ थामा और दोनों झारखंड से बरेली पहुंचे।

बोकारो के लोधी नीच टोला निवासी जमीला खातून के मुताबिक उसे भगवान शिव में गहरी आस्था थी। वह घर में चुपचाप शिव की पूजा करती थी। जब उसके शौहर और ससुराल वालों को इसका पता चला तो विरोध शुरू हो गया। जमीला का कहना है कि पूजा-पाठ छोड़ने का दबाव बनाया गया और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई।

जमीला के मुताबिक ससुराल में हालात बिगड़ते गए। आरोप है कि शौहर ने उसके साथ मारपीट की और आखिरकार तीन तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद जमीला के सामने आगे की जिंदगी को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया। मुश्किल वक्त में हजारीबाग के चानो निवासी प्रकाश रविदास जमीला के साथ खड़ा हुआ। दोनों के बीच पहले से बातचीत थी, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। दोनों ने साथ जिंदगी बिताने का फैसला किया। परिवार और स्थानीय स्तर पर विरोध की आशंका के बीच दोनों बरेली पहुंचे और अगस्त्य मुनि आश्रम में संपर्क किया।

अगस्त्य मुनि आश्रम में आचार्य केके शंखधार की मौजूदगी में जमीला का शुद्धिकरण कराया गया। इसके बाद गायत्री मंत्र का जाप कराया गया और उन्होंने सनातन धर्म अपनाया। धर्म परिवर्तन के बाद जमीला का नया नाम ज्योति देवी रखा गया। सनातन धर्म अपनाने के बाद ज्योति और प्रकाश का विवाह वैदिक रीति-रिवाज से कराया गया। अग्नि को साक्षी मानकर दोनों ने सात फेरे लिए और एक-दूसरे का जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। विवाह के दौरान आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार हुआ।

पीआरडी जवानों को सीएम योगी की बड़ी सौगात, मानदेय 500 से बढ़कर हुआ 600

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। प्रदेश के पीआरडी जवानों के लिए मंगलवार का दिन बड़ी सौगात लेकर आया। महानिदेशक, प्रान्तीय रक्षक दल/विकास दल एवं युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशों के क्रम में बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह, रामगढ़ताल, गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में पीआरडी जवानों का सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बरेली कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।

सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने प्रदेश स्तर पर पीआरडी जवानों के लिए मल्टीस्टोरी बैरक का लोकार्पण किया। इसके साथ ही पीआरडी जवानों के मानदेय में भी बढ़ोतरी की घोषणा की गई। पूर्व निर्धारित 500 प्रतिदिन के मानदेय में ?100 की वृद्धि करते हुए अब 600 प्रतिदिन निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने पीआरडी जवानों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की भी घोषणा की। इन घोषणाओं से प्रदेशभर में सेवाएं दे रहे पीआरडी जवानों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

बरेली कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित लाइव स्ट्रीमिंग कार्यक्रम में विधायक मीरगंज डॉ. डीसी वर्मा, अपर जिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट, उपजिलाधिकारी, विभागीय व्यायाम प्रशिक्षक, समस्त क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी, वरिष्ठ सहायक सहित बड़ी संख्या में पीआरडी जवान मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी आरती जायसवाल ने किया। अंत में उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

फरीदपुर में सीसा विषाक्तता की जांच को पहुंची आरएमएल लखनऊ की टीम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सीसा विषाक्तता के संभावित खतरे और उसके पर्यावरणीय स्रोतों की पहचान को लेकर मंगलवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान (आरएमएल), लखनऊ की विशेषज्ञ टीम ने फरीदपुर क्षेत्र का दौरा किया। टीम ने परियोजना के दिशा-निर्देशों के तहत आवश्यक जानकारी जुटाने के साथ ही नमूना संबंधी कार्यवाही पूरी की। परियोजना के तहत छोटे बच्चों के रक्त में सीसे की मात्रा की जांच की जाएगी। इसके साथ ही सीसा विषाक्तता के संभावित स्रोतों का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाएगा। जांच के दायरे में मिट्टी, सब्जियां, पेट्रोल, प्रसाधन सामग्री, बर्तन और मसाले समेत विभिन्न वस्तुओं को शामिल किया गया है। विशेषज्ञ टीम का उद्देश्य सीसा विषाक्तता के संभावित पर्यावरणीय एवं घरेलू स्रोतों की पहचान कर स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करना है। जांच से प्राप्त नमूनों और आंकड़ों के अध्ययन के बाद क्षेत्र में सीसा विषाक्तता की वास्तविक स्थिति और उसके संभावित कारणों को समझने में मदद मिलेगी।कार्यवाही पूरी होने के बाद टीम के डॉ. विकास वर्मा ने सीएचसी फरीदपुर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ बैठक की और परियोजना से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की। विशेषज्ञ टीम की जांच से फरीदपुर क्षेत्र में सीसा विषाक्तता के संभावित स्रोतों को लेकर महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद है।

तालाब में डूबकर 14 वर्षीय किशोर की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। फरीदपुर में तालाब में घुसी भैंस को बाहर निकालने के लिए पानी में उतरे मासूम की डूबने से मौत हो गई। किशोर को डूबता देखकर साथ में पशु चरा रहा बच्चा गांव की ओर दौड़ा और परिजनों को खबर दी। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद अकांशू को तालाब से निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।गांव कीरत धीरी निवासी पुष्पेंद्र का 14 वर्षीय बेटा अकांशू सोमवार को गाय-भैंस चराने निकला था। गांव से करीब 100 मीटर दूर खेतों में वह पशु चरा रहा था। उसके साथ गांव का ही 13 वर्षीय छोटू भी अपने पशु लेकर गया था। ग्रामीणों के मुताबिक शाम के समय अकांशू की भैंस पास के तालाब में घुस गई। काफी देर तक भैंस बाहर नहीं निकली तो अकांशू उसे निकालने के लिए खुद तालाब में उतर गया। गहरे पानी में पहुंचते ही डूबने लगा- भैंस तक पहुंचने की कोशिश में अकांशू गहरे पानी में चला गया और अचानक डूबने लगा। उसे पानी में संघर्ष करते देखकर छोटू घबरा गया। वह तत्काल गांव की ओर दौड़ा और अकांशू के परिजनों को घटना की जानकारी दी। खबर मिलते ही परिवार के लोग और ग्रामीण तालाब की ओर दौड़ पड़े। कई ग्रामीण पानी में उतरे और अकांशू की तलाश शुरू कर दी। मशक्कत के बाद मिला शव, परिवार में कोहराम ,काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने अकांशू को तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बेटे का शव देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अकांशू कक्षा आठ का छात्र था और तीन भाइयों में मंझला था। उसके पिता पुष्पेंद्र मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पशु को तालाब से निकालने की कोशिश में किशोर की जान चले जाने से परिवार के साथ पूरे गांव में मातम पसरा है।

एयरफोर्स की सुरक्षा हेतु दिखी कमिश्नर की सख्ती, अवैध निर्माण-मीट दुकानों पर नजर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मण्डलायुक्त शम्भू कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को एयरफोर्स हवाई क्षेत्र की पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक हुई। बैठक में वायुयानों की सुरक्षा से जुड़े पक्षियों की गतिविधि, ड्रोन, अवैध निर्माण, जलभराव, कूड़ा डंपिंग और आवारा पशुओं जैसी समस्याओं पर मंथन किया गया। मण्डलायुक्त ने एयरफोर्स क्षेत्र के आसपास सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने, चावड़ और करमपुर चौधरी में जल निकासी की समस्या दूर करने तथा आरआरसी सेंटर के लिए उचित स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। नगर निगम को बंदरों और कुत्तों की बढ़ती संख्या पर कार्रवाई के लिए एक्शन प्लान बनाने को कहा गया। बैठक में एयरफोर्स क्षेत्र के आसपास बिना बीडीए अनुमति निर्माण पर रोक, पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, अवैध वेंडरों को हटाने तथा 10 किलोमीटर के दायरे में खुले में मीट की बिक्री और अवशेषों के निस्तारण पर सख्ती के निर्देश दिए गए। ऊंची इमारतों की सूची तैयार कर संबंधितों पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा प्रशासन और एयरफोर्स स्टाफ द्वारा किसी संभावित दुर्घटना की स्थिति से निपटने के लिए संयुक्त मॉक ड्रिल कराने की योजना बनाई गई। बैठक में एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी, बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पाण्डेय, एसपी सिटी मानुष पारीक समेत एयरफोर्स एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नियमित मानदेय की मांग को लेकर पशुमित्र मैत्री कार्यकर्ताओं ने अब आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। आल इंडिया पशुमित्र मैत्री कार्यकर्ता समिति संघ के जिलाध्यक्ष शिवलेश यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने लंबे समय से लंबित मांगों, विशेष रूप से नियमित मानदेय की स्वीकृति न मिलने पर नाराजगी जताई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे लंबे समय से पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन नियमित मानदेय नहीं मिलने से उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जिलाध्यक्ष शिवलेश यादव ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो पशुमित्र कार्य बहिष्कार के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। अब देखना होगा कि प्रशासन की ओर से पशुमित्रों की मांगों पर क्या कदम उठाया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

दो साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय ने जेल भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ कोलारस। फरारी एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोलारस पुलिस ने दो साल से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार माननीय न्यायालय कोलारस के प्रकरण क्रमांक 128/2020 एवं आरसीटी नंबर 54/2020 में द्वारिका पुत्र भीकम यादव (38), निवासी ग्राम कांकरा थाना कोलारस लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम ने 18 अगस्त को उसके निवास स्थान ग्राम कांकरा में दबिश दी। इस दौरान वारंटी घर पर ही मिल गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय कोलारस में पेश किया गया, जहां से उसे जेल दाखिल कराया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी कोलारस संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में निरीक्षक पुनीत वाजपेयी, सउनि गुनेश्वर साय पेकरा, प्रधान आरक्षक 593 रामवरन सिंह लोधी, प्रधान आरक्षक 562 जानकीलाल, आरक्षक 1063 शिववीर सिंह सेंगर एवं आरक्षक 347 ओमप्रकाश भिलाला की विशेष भूमिका रही।

स्कूली वाहनों की जांच में तीन सीज, दो के चालान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत। मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत मंगलवार को कोतवाली जहानाबाद क्षेत्र में पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने स्कूली वाहनों की जांच की। इस दौरान बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने वाले वैन और बसों के दस्तावेजों और सुरक्षा मानकों की जांच की गई। जांच में आवश्यक दस्तावेज और निर्धारित सुरक्षा मानक पूरे न मिलने पर टीम ने तीन स्कूली वाहनों को सीज कर दिया, जबकि दो वाहनों के चालान किए गए। सीज वाहनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए जहानाबाद और अमरिया थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया। जांच अधिकारी वर्डिस चतुर्वेदी ने बताया कि अभियान सुप्रीम कोर्ट और परिवहन विभाग के निर्देशों के तहत चलाया जा रहा है। चेकिंग के दौरान वाहनों की फिटनेस, बीमा, परमिट, चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और स्पीड गवर्नर सहित अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को केवल अधिकृत और सुरक्षा मानकों को पूरा करने वाले स्कूली वाहनों से ही भेजें।

पीएमएस संघ चुनाव का ऐलान, 20 अगस्त से नामांकन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ (पीएमएस) की जिला शाखा के चुनाव का एलान हो गया है। चुनाव अधिकारी डॉ. मेघ सिंह एवं जिला रिटर्निंग अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह ने संयुक्त रूप से चुनाव कार्यक्रम जारी किया। इस बार संघ के कुल आठ पदों के लिए चुनाव होगा। चुनाव अधिकारी डॉ. मेघ सिंह एवं जिला रिटर्निंग अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह ने बताया कि 2 सितंबर को मतदान होगा। नामाकंन 20 से 25 अगस्त तक मेडिकल सुपरिटेंडेंट कार्यालय, जिला चिकित्सालय में होगा। नाम वापसी 28 से 31 अगस्त तक होगी। चुनाव में नामांकन के लिए अध्यक्ष एवं सचिव पद के प्रत्याशियों को निर्धारित नामांकन शुल्क जमा करना होगा। मतदान 2 सितंबर को 300 बेड चिकित्सालय में होगा और उसी रात परिणाम भी घोषित हो जाएगा।

गौकशी के चार आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, गोली लगने से दो घायल, मौके से गोवंश और हथियार बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पुलिस ने मंगलवार तड़के मुठभेड़ के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस दौरान दो आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मौके से गोवंशीय पशु और उसे कटाने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर की गई। पुलिस टीम ने परसोना नहर के पास दबिश दी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जुनैद, राशिद, नसीम और मोहम्मद फजर के रूप में हुई है। राशिद और नसीम मुठभेड़ में घायल हुए हैं।

पीआरडी जवानों को मिला कैशलेस चिकित्सा योजना का उपहार, मा0 मुख्यमंत्री जी ने बहुमंजिला बैरक का हुआ शिलान्यास

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ विकास भवन में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं पीआरडी जवानों ने देखा मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण महायोगी गुरु गोरखनाथ की पावन धरा गोरखपुर में आयोजित प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों के सम्मेलन एवं विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी ने लखनऊ के ग्राम एटर पश्चिम, सरोजनी नगर में 23 करोड़ की लागत से बनने वाली बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास किया तथा पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि प्रांतीय रक्षक दल के जवान शासन-प्रशासन की व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विषम परिस्थितियों में भी पीआरडी जवान पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा जवानों के हित में उठाए जा रहे कदम उनके मनोबल को बढ़ाने वाले हैं। कैशलेस चिकित्सा योजना से पीआरडी जवानों एवं उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि पीआरडी जवान कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों पर प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा शुरू की गई कैशलेस चिकित्सा योजना से जवानों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि जनपद में पीआरडी जवानों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने पीआरडी जवानों के कार्यालय के लिए भूमि चिन्हित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, ताकि कार्यालय भवन के निर्माण की कार्यवाही को आगे बढ़ाया जा सके ।ताओं के अनुरूप सुविधाएं विकसित करने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, जिला विकास अधिकारी प्रशांत पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पीआरडी जवान उपस्थित रहे। पीआरडी जवानों ने मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा उनके हित में की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं एवं योजनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

विदिशा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण व योजना का पात्रता अनुसार लाभ दिलाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों ने अपनी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को उक्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान शमशाबाद तहसील के ग्राम मोही निवासी आवेदिका चंदा सेन ने अपनी पुत्री राशि सेन के आधार कार्ड में जन्मतिथि सुधार में आ रही समस्या से अवगत कराया मौके पर ही इस आवेदन को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को बच्ची के आधार कार्ड में हुई जन्मतिथि के सुधार कराने के निर्देश दिए। ग्राम चक्र कुरवाई निवासी वृंदावन अहिरवार ने अपनी स्वर्गीय माता जी के निधन उपरांत संबल योजना की राशि दिलाने से अवगत कराया। इसके अलावा जनसुनवाई में ग्राम दल्लाखेड़ी निवासी गोवर्धन अहिरवार ने रिकॉर्ड दृष्टि कारण की प्रकरण पर कार्यवाही करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया, ग्राम बावलिया निवासी आवेदक श्री भुग्गीलाल ने वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त न होने व पटवारी द्वारा नपती करने के बाद भी नकल उपलब्ध न करने के संबंध में अवगत कराया। ग्राम महुआखेड़ा के राहुल अहिरवार ने स्वयं की भूमि के पास हुए रोड निर्माण के बाद मुआवजा राशि नहीं मिलने की शिकायत की तथा ग्राम करैया के कई ग्राम वासियों ने जनसुनवाई में पहुंचकर ग्राम में किसी व्यक्ति द्वारा गिट्टी क्रेशर मशीन लगाने पर आपत्ति जताते हुए ग्राम में गिट्टी क्रेशर मशीन नहीं लगाई जाने की बात कही।

फर्रुखाबाद में कच्ची दीवार गिरने से युवती की मौत, परिवार के कई लोग मलबे में दबे

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद के नवाबगंज नगर के मोहल्ला चांदनी में मंगलवार तड़के करीब 4 बजे बड़ा हादसा हो गया। कच्चे मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के वक्त परिवार के कई सदस्य घर के बाहर पड़ी पन्नी के नीचे और चारपाइयों पर सो रहे थे। अचानक दीवार गिरने से परिवार के कई लोग मलबे में दब गए। दीवार गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और बिना देर किए मलबा हटाने में जुट गए। अभिषेक, गौतम, अवनीश, सुखदेव, दीपू, सेवाराम, आनंद समेत कई लोगों ने कड़ी मशक्कत कर मलबे में दबे परिवार के सदस्यों को बाहर निकाला। हादसे में उपनेश, उसकी पुत्री किट्ठू, मुन्नी देवी, मोनी और 22 वर्षीय ज्योति पुत्री नरेश चंद समेत परिवार के कई लोग मलबे में दब गए थे। सभी को बाहर निकालने के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मलबे में दबी ज्योति की हालत गंभीर थी। परिजन उसे आनन-फानन में ई-रिक्शा से नवाबगंज के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। ज्योति की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन शव को वापस घर ले आए। बताया जा रहा है कि परिवार कच्चे मकान में रह रहा था और बारिश के बीच घर के बाहर पन्नी के नीचे सोने को मजबूर था। इसी दौरान कमजोर कच्ची दीवार अचानक ढह गई और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस हादसे ने एक बार फिर कच्चे मकानों और बारिश के मौसम में परिवारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद मोहल्ले में मातम का माहौल है और मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फर्रुखाबाद के नवाबगंज से सामने आई इस दर्दनाक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया।

9 साल की किशोरी कि कुंडी में गिरकर हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद थाना क्षेत्र के नगला पूसा गांव में दो दिन से लापता 9 वर्षीय किशोरी का शव पानी की कुंडी में तैरता हुआ मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गांव नगला पूसा निवासी धर्मेंद्र सिंह की पुत्री प्रियंका सोमवार दोपहर 1 बजे से अपने घर से लापता थी। मंगलवार सुबह गांव वालों ने पानी की टंकी के पास बनी कुंडी में एक शव देखा। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान प्रियंका के रूप में की और पुलिस को सूचित किया। सूचना पर क्षेत्राधिकारी बरला संजय कुमार त्यागी पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने मृतक किशोरी की मौत से संबंधित साक्ष्य जुटाए। प्रियंका अपने परिवार में दो भाइयों में सबसे छोटी और इकलौती बहन थी।

थाना प्रभारी पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि नगला पूसा गांव में 9 वर्षीय किशोरी का शव पानी की कुंडी में मिला है, जो सोमवार दोपहर से घर नहीं लौटी थी। उन्होंने बताया कि मृतक किशोरी मिर्गी की बीमारी से ग्रस्त बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि उसकी मौत पानी की कुंडी में गिरने से हुई है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किशोरी की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत अगस्त माह की 1,500 की राशि के साथ रक्षाबंधन पर 250 रुपए की विशेष सहायता का होगा अंतरण

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ मैहर में 19 को आयोजित कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के माध्यम से होगा राशि का अंतरण, जिले में वेबकास्ट के प्रसारण की तैयारी विदिशा- मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत लाभार्थी महिलाओं को अगस्त माह की मासिक आर्थिक सहायता राशि तथा रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा बुधवार 19 अगस्त को जिला मैहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की पात्र लाभार्थी महिलाओं के खातों में राशि अंतरित कि जायेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं को अगस्त माह की मासिक आर्थिक सहायता राशि 1,500 रुपए तथा रक्षाबंधन के अवसर पर 250 रुपए की विशेष आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस प्रकार प्रत्येक पात्र लाभार्थी महिला को कुल 1,750 की राशि का अंतरण किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से किया जाएगा। जारी निर्देशानुसार जिले में भी अधिक से अधिक महिलाओं को इस कार्यक्रम से जोड़ने और उन्हें वेबकास्ट के माध्यम से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का प्रसारण दिखाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया गया है कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लाभार्थी महिलाओं तक कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाई जाए तथा अधिक से अधिक महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पंचायत स्तर से लेकर नगरीय क्षेत्रों तक आवश्यक समन्वय कर वेबकास्ट प्रसारण की समुचित व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के माध्यम से प्राप्त होने वाली आर्थिक सहायता के साथ रक्षाबंधन के अवसर पर दी जा रही विशेष राशि के संबंध में भी जानकारी दी जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले की अधिकाधिक पात्र लाभार्थी महिलाएं कार्यक्रम से जुड़ें और शासन की इस पहल की जानकारी प्राप्त कर सकें।19 अगस्त को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश की लाखों लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता का लाभ मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के वेबकास्ट प्रसारण को सुचारु रूप से संपन्न कराने तथा

फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पर डीआरएम का निरीक्षण, निर्माण कार्यों की जमीनी हकीकत देखी

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / पूर्वोत्तर रेलवे की मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीणा सिन्हा ने सोमवार शाम फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। डीआरएम करीब शाम 5-10 बजे स्पेशल ट्रेन से फतेहगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचीं, जहां रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने स्टेशन परिसर के बाहर चल रहे निर्माण कार्यों के साथ-साथ रेलवे ट्रैक का भी जायजा लिया। पुराने रेल ट्रैक को बदले जाने से पहले की जा रही तैयारियों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली और निर्माण कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। कीचड़ में फंसीं डीआरएम, ईंटें डालकर बनाया गया रास्ता- प्लेटफॉर्म नंबर-5 के आगे माल गोदाम के पास बन रहे रनिंग रूम का निरीक्षण करने जाते समय डीआरएम के सामने भारी कीचड़ की समस्या आ गई। रास्ते में इतना कीचड़ था कि उनके लिए आगे जाना मुश्किल हो गया। इस पर डीआरएम ने नाराजगी जताते हुए कर्मचारियों को तत्काल रास्ते में ईंटें डालकर आवागमन योग्य बनाने के निर्देश दिए। कर्मचारियों ने तुरंत ईंटें डालकर रास्ता तैयार किया, जिसके बाद डीआरएम रनिंग रूम तक पहुंचीं और वहां चल रहे निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। डीआरएम ने कहा कि रेलवे स्टेशन की यात्री सुविधाओं और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। पुराने रेल ट्रैक को बदलने के लिए भी जरूरी तैयारियां की जा रही हैं और कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है। फतेहगढ़ में रेलवे गेस्ट हाउस का लोकार्पण- स्टेशन निरीक्षण के बाद डीआरएम ने फतेहगढ़ रेलवे कॉलोनी में नवनिर्मित रेलवे गेस्ट हाउस का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने गेस्ट हाउस के अंदर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद डीआरएम ने रेलवे कॉलोनी स्थित एक पार्क में पौधरोपण किया। इस दौरान रेलवे के अन्य अधिकारियों ने भी पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी कार्यक्रम पूरे होने के बाद डीआरएम वीणा सिन्हा शाम करीब 7-30 बजे कन्नौज के लिए रवाना हो गईं। निरीक्षण के दौरान सीनियर डीसीएम संजीव शर्मा, सीनियर डीओएम विजय कुमार यादव, सीनियर डीईएन विपिन कुमार यादव, स्टेशन प्रबंधक मनोज कुमार और आरपीएफ इंस्पेक्टर सहित रेलवे के कई अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, 40 से अधिक आवेदनों पर दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी ने आज 18 अगस्त 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई में 40 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर एसपी द्वारा संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान पारिवारिक विवाद, साइबर संबंधी शिकायतें, मारपीट सहित विभिन्न पुलिस संबंधी मामलों से जुड़े आवेदन सामने आए। जिन प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई संभव थी, उनमें संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं जांच की आवश्यकता वाले मामलों को संबंधित थाना एवं शाखा प्रभारियों को सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई पुलिस और आमजन के बीच विश्वास को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक नागरिक को अपनी समस्या रखने के लिए सहज वातावरण मिले तथा उसकी शिकायत पर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई हो, यह पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। विदिशा पुलिस आमजन की सुरक्षा, सेवा और विश्वास को केंद्र में रखते हुए संवेदनशील, जवाबदेह एवं जनहितैषी पुलिसिंग के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं, जरूरतमंदों को मौके पर मिली आर्थिक सहायता

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर ने दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के आवेदकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान वार्ड क्रमांक 26 करौंदी कॉलोनी निवासी मेधावी छात्रा प्रियंका कुशवाह ने पढ़ाई और परिवार की आर्थिक स्थिति से जुड़ी समस्या सामने रखी। छात्रा की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल रेडक्रॉस मद से 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर चेक प्रदान किया। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया जाए। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ समस्याओं का समय-सीमा में पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

तीन आदतन अपराधी छह माह के लिए जिला बदर, कलेक्टर ने दिए आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने तीन आदतन अपराधियों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की है।

आदेश के तहत तीनों को शिवपुरी जिले सहित आसपास के छह जिलों की सीमाओं से छह माह के लिए बाहर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला बदर किए गए आरोपियों में अकरम शाह (25), निवासी नरवर तिराहा सतनवाड़ा, अरविंद गुर्जर (21), निवासी करोंदी कॉलोनी शिवपुरी तथा दिनेश उर्फ लल्लू (38), निवासी इंद्रा कॉलोनी बदरवास शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार तीनों के विरुद्ध वर्ष 2019-20 से अब तक विभिन्न धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। प्रशासन ने बताया कि इनकी आपराधिक गतिविधियों से क्षेत्र की शांति एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए यह कार्रवाई की गई है। जिला बदर की अवधि में तीनों को शिवपुरी के अलावा ग्वालियर, अशोकनगर, श्योपुर, मुरैना, दतिया और गुना जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, यदि जिला बदर किए गए किसी आरोपी के विरुद्ध संबंधित जिलों के न्यायालय में कोई प्रकरण विचाराधीन है, तो वह न्यायालय में पेशी के दिन उपस्थित हो सकेगा। इसके लिए उसे पहले संबंधित थाना प्रभारी और जिले के पुलिस अधीक्षक को सूचना देना अनिवार्य होगा।

Decorate your royal thali without vegetables! Make Madhya Pradesh and Rajasthan's famous 'Dal Bafla' at home, note the recipe.

If you've tasted Dal Baati Churma, give Dal Bafla a try. The hallmark of Indian cuisine is that even without vegetables, a delicious and healthy dish can be prepared using ingredients and spices found at home. One such dish is Dal Bafla, a traditional dish of Rajasthan and Madhya Pradesh. You've likely heard of Dal Baati, and Dal Bafla can be considered its royal version. Dal Bafla Recipe - Dal Bafla is crispy on the outside and soft on the inside, prepared in boiling water before baking. Let's know its recipe: Ingredients for Bafla 200-250 grams wheat flour 1/4 cup semolina - 1/4 teaspoon turmeric 1/4 teaspoon celery 1/4 teaspoon baking soda 3 tablespoons ghee 2-3 teaspoons ghee or oil for roasting Water as needed for kneading Ingredients for dal 1/2 cup moong dal - 1/4 cup masoor dal 1/4 cup chana dal 1 finely chopped onion 1 finely chopped tomato 1 chopped green chili 3 teaspoons ghee or oil 1 teaspoon mustard seeds 1 teaspoon cumin seeds 1 teaspoon ginger-garlic paste 1/2 teaspoon Kashmiri red chili 2 tablespoons finely chopped coriander 1/4 teaspoon garam masala - 1/4 teaspoon turmeric 1 pinch asafoetida 1 cup water Salt as per taste Method of making Bafla - To make Dal Bafla, firstly soak 1/2 cup moong dal, 1/4 cup masoor dal, 1/4 cup chana dal in minimum quantity. Soak for 30 minutes. Meanwhile, prepare the Bafla. For this, place 200-250 grams of wheat flour and 1/4 cup of semolina in a large bowl. Add 3 tablespoons of ghee, 1/4 teaspoon of turmeric, 1/4 teaspoon of carom seeds, 1/4 teaspoon of baking soda, and salt to taste to this flour mixture. Now, mix all of these ingredients thoroughly into the flour and semolina mixture. The flour should be completely moist after mixing. After this, add water as needed and knead the dough. Then, cover it and let it rest for at least 20 minutes. Meanwhile, set the water to heat. In the next step, form small balls of the prepared dough and place them in boiling water. Let the dough balls simmer for 15 minutes. After 15 minutes, remove the dough balls and set them aside. Heat 2-3 tablespoons of ghee on a pan and place the boiled Bafla on it. Cover and let it cook on medium heat for 5 minutes. When one side turns golden, fry the Bafla on the other side as well. Your Bafla is ready, and you can start making the dal simultaneously. Method of making dal - Cook the dal in a pressure cooker with ghee, turmeric, and salt to taste. Meanwhile, in a large pan, add oil or ghee, cumin seeds, mustard seeds, and a pinch of asafoetida. After this, add the onion and fry it. Then add tomatoes, turmeric, red chili, coriander powder, and garam masala, and let it cook for a while. Now add the dal and mix well. Sprinkle coriander on top and transfer it to a bowl. Serve it with Bafla for lunch or dinner. Your traditional dal-bafla is ready.

Responsibility doesn't come without independence! Parents should make their children independent with these daily habits.

Instill in children the habit of doing their own chores from an early age. Parents can use the tips mentioned here. Parents want their children to grow up to be responsible, but this sense of responsibility cannot be developed without independence. Therefore, every parent should teach their children to be independent from childhood to foster responsibility for their home and society. There are some daily habits that can help children develop this habit. Let children get ready for school on their own - Develop the habit of waking up early and getting ready for school on their own. The younger this habit is instilled, the sooner they will learn to be independent. This should include everything from putting on their school uniform to checking the timetable and packing their school bag. Involve children in minor cleaning of the room - Let children make their own bed in the morning and help them do minor cleaning tasks whenever they mess up the room. Such as arranging scattered books on the shelf, putting toys in a basket, or organizing their study table. Encourage them to be independent in school projects - Nowadays, schools assign a variety of projects and activities beyond homework, for which children rely on their parents. Encourage them to complete all activities independently, while only assisting from a distance. This approach will help reduce their dependence in the future. Involve them in meal preparation - Teach both boys and girls essential kitchen tasks. In most households, girls are often responsible for all kitchen tasks, which leads to a greater dependence on boys. In such a situation, involve both of them in preparing dinner. This can include small habits like serving food, placing glasses and water, and putting their plates in the sink after eating. Let them solve problems and listen to opinions - Whenever children get stuck on a question, make a mistake, or are unable to solve a puzzle, give them enough time and space to figure things out. Apart from this, listening to the opinions of growing children on any topic at home also helps in developing a sense of independence in them.

Unconditional love at first, then sudden distance? 'Puffer Fishing' is Gen Z's new dating scourge! Identify it with these signs.

Gen Z has completely transformed the relationship dynamic; now, every behavior has a different name in the dating world. Another new term has emerged in the dating world: puffer fishing. It's specifically related to online dating and Gen Z. You may have noticed that dating attitudes are changing these days, and puffer fishing addresses this. What is puffer fishing? Puffer fishing in dating refers to a shift from emotional to avoidant. In this type of dating, when a partner is new, they are emotionally available initially, but later, as they grow closer, they withdraw. At that time, they display a completely opposite attitude from their initial behavior, which can cause confusion about what exactly happened. Simply put, a person shows love and affection in the initial stages of a relationship. As soon as he feels the relationship is becoming serious, he suddenly distances himself and exhibits cold behavior. Where did this name come from? - This puffer fishing trend, which is going viral on social media, is inspired by the behavior of puffer fish. Let us tell you that puffer fish have a special behavior in the ocean. Whenever they sense any danger or unknown activity, they fill themselves with water and swell up and also take out their spines. Why are people puffer fishing? There can be two reasons behind this. First, the person is not at all interested in commitment. Second, they want to make a commitment but due to a bad experience, they are doing so to save themselves from heartbreak or emotional pain. Signs that indicate you are dealing with puffer phishing - There are several signs that can help you identify if someone is a victim of puffer phishing: Deep conversations and excessive attachment at the beginning of the relationship - Partner maintaining distance when the relationship becomes serious - Partner's messages coming late and efforts decreasing - Avoiding future planning - Suddenly backing out to invest more than necessary in the beginning - Suddenly maintaining distance after close moments - Always being confused by the partner's attitude

Ravindra Jain's cult song, which has been expressing the heartbreak of his beloved for 48 years, has become evergreen in Hemlata's voice.

The 48-year-old song is one of Hindi cinema's cult songs. It was written and composed by Ravindra Jain. The song has remained evergreen for four decades. Hemlata gave voice to the cult song. Ravindra Jain's song is still hummed by people today. Ravindra Jain, a composer of Indian cinema, despite being blind, gave the industry songs that have become immortal and remain evergreen even decades later. He wrote and composed many evergreen songs and bhajans. But the one we're going to discuss today is one of his best. People still hum the song even 48 years later. Ravindra Jain composed this song 48 years ago. It was well-received by audiences at the time, and it remains a favorite among music lovers even four decades later. Every generation listens to and hums this song with great fondness. The song's special feature is its pause and melody, which have become the voice of every lover. The song we're talking about is the title song from the 1978 film Ankhiyon Ke Jharokho Se. The lyrics read, "Ankhiyon Ke Jharokho Se, Maine Dekha Jo Sanware." The cult song "Ankhiyon Ke Jharokho Se" was filmed on Sachin Pilgaonkar and Ranjeeta Kaur. The song was written and composed by Ravindra Jain, while Hemlata lent her voice to the song, which became a signature song of her career. About the Film "Ankhiyon Ke Jharokho Se" is a 1978 drama film starring Ranjeeta and Sachin in lead roles and directed by Hiren Nag. It was produced and distributed by Rajshri Productions, with music by Ravindra Jain. The film is inspired by Eric Segal's 1970 novel "Love Story." About Ravindra Jain - Ravindra Jain was an Indian composer, lyricist, and playback singer. He began his career in the early 1970s by composing music for several hit films and continued his impressive work despite the challenges of his blindness. He composed brilliant and memorable music for films such as "Chor Machaye Shor" (1974), "Geet Gaata Chal" (1975), "Chitchor" (1976), "Ankhiyon Ke Jharokhon Se" (1978), "Nadiya Ke Paar" (1982), "Ram Teri Ganga Maili" (1985), and "Vivah" (2006). He also composed music for Ramanand Sagar's Ramayan. He was awarded the Padma Shri.

"You have tarnished the name of our mothers and sisters..." Govinda, enraged by Sunita's abusive language, came forward and made a humble request.

Govinda has strongly criticized his wife Sunita Ahuja, accusing her of using abusive language in public. He said that her behavior is tarnishing the name of our mothers and sisters. Govinda expressed his displeasure over his wife Sunita's use of abusive language. Sunita's behavior has tarnished the name of our mothers and sisters. Previously, Sunita had questioned Govinda's appearance with Komal Rani. The ongoing war of words between actor Govinda and his wife Sunita Ahuja shows no signs of abating. Now, Govinda has criticized his wife for using abusive language in front of the camera. Sunita Ahuja used abusive language - Previously, he had accused Sunita of tarnishing his name and hindering upcoming projects. Recently, a paparazzi page shared a video in which Govinda openly accused his wife, Sunita, of using abusive language. They said, "Sunita ji, you've started abusing your mother and sister so much. If people are inspired by you, everyone will know your true nature. Young people will watch you and imitate your behavior. What if people start abusing you in the same way?" "If that happens, we'll be ashamed. Don't do this. You've tarnished the name of our mothers and sisters. This wasn't expected from you." Govinda appealed to his wife: Sunita had previously reacted to Govinda's appearance with actress Komal Rani Swarnkar and raised questions. She said, "First, the film should be made. Promotion happens after the film is made. But without promotion... what can I say now? He's hanging out with a girl his daughter's age; he should be ashamed." Sunita had previously commented on Govinda, "He should have some standards." Your 'sugar daddy' is so rich, he should at least dress properly. Look at us, how stylish we dress. It's too bad, he's lost his mind." Govinda then criticized his wife Sunita, alleging that she used him for her own benefit, asking him to appear on cooking shows and "Lock Up." He also accused Sunita of sabotaging his upcoming projects and trying to damage his reputation.

Awarapan 2 OTT: 'Shivam Pandit' will return to this OTT platform after its theatrical release. When and where to watch the film?

Emraan Hashmi and Disha Patani's film 'Awarapan 2' was released in theaters this week on August 14th. After its theatrical run, the film will soon hit OTT platforms. 'Awarapan 2,' starring Emraan Hashmi and Disha Patani, released in theaters on August 14th, the Independence Day weekend. This film marks Emraan Hashmi's return to the role of Shivam Pandit from the 2007 film of the same name, Awarapan. The film has already generated considerable buzz, and its results have been seen at the box office and in advance bookings. When is the film expected to release? Many excited fans are now curious to know which OTT platform the film will release on after its theatrical release. So, we've brought this information for them. Although an official announcement hasn't been made, estimates suggest that Awarapan 2 will arrive on OTT platforms within the proposed timeframe after completing its theatrical run. A typical Bollywood film is released on OTT platforms within 45 to 60 days of its theatrical release. Which OTT platform will it be released on?According to this, Awarapan 2 will hit OTT platforms in the last week of September or early October. Regarding the OTT platform, India TV reports that the film will be released on Amazon Prime Video. The makers revealed which OTT platform holds the streaming rights in the opening credits, but no information regarding the release date has been revealed yet. Mohit Suri directed the first part of the film, while Nitin Kakkar directed Awarapan 2. Emraan Hashmi returns to his cult role as Shivam Pandit in Awarapan 2. Disha Patani will be seen opposite him in the film. The story of Awaarapan 2 will take the old film forward.